देहरादून का घंटाघर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **देहरादून के प्रतिष्ठित घंटाघर की** टिक-टिक बंद हो गई, क्योंकि चोरों ने इसके ताँबे के अंदरूनी हिस्से को तोड़ दिया।

मुख्य बिंदु

- **ऐतिहासिक महत्त्व:**
  - इसका निर्माण 1940 के दशक में हुआ था तथा इसका उद्घाटन वर्ष 1953 में **श्रीमती सरोजिनी नायडू ने किया था।**
  - लाला शेर सिंह द्वारा अपने पिता लाला बलबीर सिंह की स्मृति में बनवाया गया।
  - यह उन **स्वतंत्रता सेनानियों** की याद दिलाता है जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिये अपने प्राणों का बलिदान दिया।
- **वास्तुशिल्पीय डिज़ाइन:**
  - **षट्कोणीय संरचना** जिसके छहों पक्षों पर एक-एक घड़ी है।
  - यह टावर लगभग **85 मीटर** ऊँचा है, जिसकी घंटियाँ पूरे शहर में गूँजती थीं।
  - घंटाघर **शहर के विकास का प्रतीक है** और देहरादून के लिये गौरव का स्मारक है।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dehradun-s-clock-tower